



EXERCISE BOOK.

BHARATI

THE

रिषतपूजा

32 Pages.



Calendar for 1931.

January.					February.					March.					April.						
Sun.	...	...	4	11	18	25	1	8	15	22	...	1	8	15	22	29	...	5	12	19	26
Mon.	...	...	5	12	19	26	2	9	16	23	...	2	9	16	23	30	...	6	13	20	27
Tues.	...	...	6	13	20	27	3	10	17	24	...	3	10	17	24	31	...	7	14	21	28
Wed.	...	...	7	14	21	28	4	11	18	25	...	4	11	18	25	...	1	8	15	22	29
Thurs.	...	1	8	15	22	29	5	12	19	26	...	5	12	19	26	...	2	9	16	23	30
Fri.	...	2	9	16	23	30	6	13	20	27	...	6	13	20	27	...	3	10	17	24	...
Satur.	...	3	10	17	24	31	7	14	21	28	...	7	14	21	28	...	4	11	18	25	...
May.					June.					July.					August.						
Sun.	...	31	3	10	17	24	...	7	14	21	28	...	5	12	19	26	30	2	9	16	23
Mon.	...	...	4	11	18	25	1	8	15	22	29	...	6	13	20	27	31	3	10	17	24
Tues.	...	...	5	12	19	26	2	9	16	23	30	...	7	14	21	28	...	4	11	18	25
Wed.	...	...	6	13	20	27	3	10	17	24	...	1	8	15	22	29	...	5	12	19	26
Thurs.	...	...	7	14	21	28	4	11	18	25	...	2	9	16	23	30	...	6	13	20	27
Fri.	...	1	8	15	22	29	5	12	19	26	...	3	10	17	24	31	...	7	14	21	28
Satur.	...	2	9	16	23	30	6	13	20	27	...	4	11	18	25	...	1	8	15	22	29
September.					October.					November.					December.						
Sun.	...	...	6	13	20	27	...	4	11	18	25	1	8	15	22	29	...	6	13	20	27
Mon.	...	...	7	14	21	28	...	5	12	19	26	2	9	16	23	30	...	7	14	21	28
Tues.	...	1	8	15	22	29	...	6	13	20	27	3	10	17	24	...	1	8	15	22	29
Wed.	...	2	9	16	23	30	...	7	14	21	28	4	11	18	25	...	2	9	16	23	30

ASHA ARCHIVES

342

ASHA ARCHIVES

वं॥ कृताञ्जलीप्रवृत्त्याः प्रपन्नं हिमशैलजा॥ दत्त
 वीमहम्भनः॥ गगानन्दकाजक॥ पूजासंस्त्रिगादयः
 हीमस्यनाजगत्यति॥ गगनीनाभुगानाथः कल्प
 ललवसीलक॥ उपासनाकुमम्भपिः त्वया कौ
 भममहम्भज॥ विष्णवापि विष्णवाश्च विष्णवालय
 जाकुम॥ विष्णवीया विष्णुपाविष्णुकाजा विष्णुज
 ल॥ हीमलम्भजवा नाश्चर्यावांशगिरिद्वयल॥ एस्म
 हात्रिभुमहजाराकाशम्भविष्णुकं॥ ॥
 आकर्षणप्रायादिसानवाय॥ ॐ ईहीमस्यनायनम

स्वाहा॥ ॐ ईहृदयेववहीमायनमस्वाहा॥ ॐ हीमस्य
 नायनमस्वाहा॥ ॐ कारुसिंभजायनमस्वाहा॥ ॐ ज
 कवलीयनमस्वाहा॥ ॐ ईसाभमायनमस्वाहा॥ ॐ इ
 पण्डितयनमस्वाहा॥ ॐ वज्रवानचक्रायनमस्वाहा॥ ॐ का
 र्धमूर्खयनमस्वाहा॥ ॐ नकुलसहृदवायनमस्वाहा॥
 ॐ गताहसायनमस्वाहा॥ ॐ सिंधुजगिलका लेयन
 मस्वाहा॥ ॐ इज्जधनसूहृदीनमस्वाहा॥ ॐ वक्राप्
 र्थयनमस्वाहा॥ वज्रपृष्ठापुनिकुस्वाहा॥ धनधनमं
 ललपिज॥ वज्रसिंधुज॥ उज्जकाकृत्वायक॥ स्वान

काय॥ समय ॐ शादि काय॥ ॥ धनलासाद्य
 वाय नमः ॥ ॐ नमः ॥ श्रीमत्सनाय नमः ॥
 (ता हसुमवलः विष्णवे नगल विजं॥ वीज किं चक
 माजानी॥ सर्वजक कवलसक विजं॥ धुसासनं च
 आसपासप विवासनं॥ एगपि न च सांग कुं॥ सड
 मिडपु मिदवी नैलाक सुज शुं चजी॥ गीरु यनया
 द्युजूपरुयं कज॥ कार्यापानिषु जागानी॥ सर्ववा
 ननिवासनं॥ कागक नमहि र्वं॥ नजरुष्यमहा
 प्रिय॥ संगमगमनं विजं॥ गता कन्दक कललिपु

आज्ञानं ज्ञानसदृशं ४ र्वः अपचार सह चकं॥ गिरुव
 नकाकिः श्रीम जाऊ नमासुते॥ ॥ धनगु
 गुकृयाकर्मयायमागुरवउगु कृयायानाहय॥ ॥
 पुनहानं देवपूजायाय॥ पंके सुगके नके॥ न्यामजापः
 याय॥ उं मा वाय श्रीगुनं तुवाक न सानवाय ॥
 गागुथा॥ उं मार्गनां विद्युहं काजं॥ पा लुवानां निजाम
 लि॥ कर्वा लं माह जाधवं॥ देवी नाइप रिपिय॥ १
 हिमवर्द्धि विनाऊ न॥ मजुर्म लुलवा निनी॥ केजा
 लो न सिजजं म्य॥ देवदर्व नमाम्यहं॥ २ ॥ सिंइ

त्रिलोकेश्वर ॥ काठिसूर्य भगवत ॥ श्रीमहाकालमहादे
 व ॥ गवन्दमानवाकितं ॥ ३ ॥ गणधाममहाकाय ॥ भ
 क्रुलं मालखन्दनं ॥ नवनागसहस्रनां ॥ वाङ्मयीयपु
 त्राकुसुमं ॥ ४ ॥ वक्रासूत्रनिर्हतानां ॥ गुलाकभङ्गितायवः
 यद्वकिञ्चजगं ध्वं ॥ पङ्क्तिगं कं नमाम्यहं ॥ ५ ॥ अलल
 वासिना निष्पुं ॥ पं ० नां कं विष्णुषत ॥ एयाग्रीवहतं
 गे ॥ नमामिमद्यत्रुपिनी ॥ ६ ॥ इज्जधनसहस्रदीपः
 किं योजनत्रु निष्पुत ॥ संग्रामगुरुसंघातं ॥ गनमा
 मिमहृषलं ॥ ७ ॥ वक्रवीजं महादेव ॥ किञ्चकवलम

र्द्वय ॥ वाजागनगजपर्व ॥ नमामि श्रीमत्रुपिनी ॥ ८ ॥
 क्वात्रुपिनं चैव ॥ रिमसुनं महावज्रं ॥ वाद्याभनम
 हावीजं ॥ सर्वरयनिवाजलं ॥ ९ ॥ नमस्कृष्टीमस्यनायः
 इष्ट किञ्चकमापिलं ॥ पं ० मर्द्धलजागार्या ॥ उर्द्धुत्रा
 त्रिप्रिस्वामिन ॥ १० ॥ गमनागमनं नृथजाहं ॥ वज्रद
 विजयाय च ॥ गुरुपद्विष्णुभाय ॥ पूनजागमना
 यच ॥ यन्दयं दहासः मृकमिगदगनं ॥ श्रीमत्र
 कार्निमासं ॥ दीर्घनगुं रुक्मी ॥ गक्रुठिलकृठिलं
 मांसदवसु ॥ १२ ॥ निष्पुं धं लसुधाष ॥ अलि

गी॥ वाजवाजसमस्तं॥ ई ई ई कालनादं॥ सकलरय
 हं॥ सिंह जू पंनमामि॥ १३॥ द्यालंधारा भहासं॥
 धुनिधुनिधुनीतं॥ द्यालजखेकलाजं॥ येग गुंविम
 नेरुं॥ नत्र जू धिजवसा॥ पृष्ठापागुंदधन॥ १४॥
 रीमाऊं रीममूः॥ कलरयहजं॥ सर्वमाकालचिह्नं॥
 सुभजलस्थितकं॥ गिरुवनजमिगं॥ वायुजूपंनमा
 मि॥ १५॥ दार्दल नवलनयनीहिता॥ इ दीनइसा
 ननं॥ यद्ध रिषलयाऊद्यानगदया॥ इकारनंऊर
 ना॥ १६॥ जासकिमलि॥ पुचनु विलिनं॥ कामा

तुजं किं चकं॥ गुरु लंरयदी॥ रयंकलचिरं॥ अ।
 रीमजाऊंनम॥ १७॥ य० किनजासर्व॥ सर्वइ४
 रवनिवाजलं॥ धर्मार्थकामनापू॥ सदाएदुरवि
 ष्यति॥ १८॥ ०० गिरुवा रीममूः॥ ०० समाकं४
 धनस्वर्गपूजायाय॥ हेजवज्वजूपूजा॥
 धनवाहनज्वयापूजायाय॥ गंरवलंयंहाहायाय४
 गंस्वर्कपुनिलुखाहा॥ रवलप्यरालसं॥ भइसा॥
 मखायजंदनंनम॥ पृष्ठांनम॥ इतुः इयीयाग

कागयचंदनं नम ॥ पृषं नम ॥ ह्यात ॥ हंसाय चंदनं
नम ॥ पृषं नम ॥ न्यायात ॥ मनुष्याय चंदनं नम ॥ पृषं
नम ॥ ॥ सुकल्ययाक ॥ महाकइगुरुयी हंसडक ॥
जाकिस्वाननखगयादवयात धियकाउगुरुसपनन
याविय ॥ गुमदवइलउमसियागुनामकया ॥ मंनु
॥ ॐ ॐ ॐ सिद्धिगुत्र्याहाः ॐ ह्रीं किं गयईरुठ
साहा ॥ ॐ ॐ धनरागविय ॥ वाक्य ॥ ॐ गुन्यम
यउउरुसर्वः गुन्यताकत्रलामकः हिलाइउमिया

यसुखावतिममाप्यात ॥ सुसिवाक्याय ॥ धन
सिजदवयातायाहुआगये ॥ मनुवियसिज ॥ सिज
धनाकाय ॥ कागहायम ॥ ॐ लीधूनकाउ ॥ चकुपूजा
याक ॥ वलिविय ॥ जहसपदनक ॥ स्वानकिगनसक
लसिंया ॥ गुत्रुपूजा ॥ दकुजा ॥ पंचाकसकाय ॥
धनसिंहमाहनीसककाकायगनक ॥ सिंहसकसिं
यातिय ॥ ॥ मालककर्मयाय ॥ पूजावधि
सयाउम ॐ तिगसंकुपरिमसपनपूजासमार्यगुरुं ॥

~~पञ्चसूक्तं गायत्री पञ्चमः ॥~~ ॥ ॐ नमः ॥ श्री वज्र
सत्याय ॥ देवास्तु ता सर्वसुखं गायत्री सिद्धता का संपूर्णा ॥
कठपुत्रुताय ॥ गीधवाय का गुरुजातयच ॥ यद्विधिं
उत्तमानिवसं क्रिदिया ॥ नस्मि कजात्रुपथी विसृज
हं ॥ कृताउली विरूपयानामीतासु ॥ संपूर्णदाता सह
गुरुतस्यि ॥ शुद्धाहं हयां नृगुहार्थ ॥ यमत्रुपुष्ट
निवर्णगीदवाजनादत्रच ॥ सुजाययचमहाभभन
ष ॥ महावनेष ॥ ॐ दैवकर्मसहलंशगिन् ॥ नृकवि

कृष्णभनेवा ॥ पञ्चवतेदत्रगुरुगमपासपचक
ॐ ॥ शुद्धागलविशेषठ ॥ कृष्णत्रुमहात्रुदु ॥ देव
दंष्ट्रसमासित ॥ कृष्णकजालहिसनन्दादि विनायक
वाम्पदाधालनिराक्षि ॥ उमादेवीतुभंशवा ॥ उयाग्व
विजयाग्व ॥ नृजिगानृपजातिगा ॥ एडकालीमहा
कात्री सुत्रकालीतुयागिनी ॥ ॐ दिवन्दिधात्रीइष्टि
सर्वकिर्तिददेवत्री ॥ कावीतिनिकपालमाला ॥ गममा
वाक्षिगयात्रि ॥ धालत्रुपामहात्रुपा ॥ दष्टत्रुपाकपा

२-१५१ म०/१५१ म० २९ वृत्ति २१ गी द० अ० ज० म०

श्री श्री ॥ कपात्रमालामालिन्ना ॥ खट्वांगभयमहविक्का ॥
 स्वर्धरुक्तापशुहस्ता ॥ वज्रहस्ताधनुर्गथा ॥ पंक्तेरुक्ति
 नीमहागता ॥ सर्वकर्मान्नासाधक ॥ योगमर्द्धलमहा
 गतिवज्रश्वलिपुङ्गवा ॥ गथागर्तमहाकार्यविलङ्घ
 नकुलश्रिका ॥ ॐ देवजश्वरी शाल्माशवाहनविष्णु
 षष्ठ ॥ कश्यप ॥ वरद ॥ खर ॥ खाहिममसर्वइष्टा
 न ॥ घृष्टाठय ॥ यजमानस्य शाय श्रावणकामना
 र्थ ॥ यथोक्तास्मात्कुलसंपादिकामनाया ॥ महायजी

अभिधुतधत्तिः ॥ ५॥

पूजासंपूर्णनिमित्तार्थं ॥ अन्निकुत्रपुष्टिकुत्र ॥
 यजुषां आज्ञापयति ॥ ई ई ई ठ ठ ठ ठ ठ ठ स्वाहा ४
 अपराकपुष्टिक ॥
 स्तं १० ५२ मिः माद्यकुष्टया ॥ पत्राअरुक्थसद्
 वायागयादिन ॥ श्रीसिद्धिजाजनं ॥ असुचीः सुचीकु
 क्रमाशुलश्रीरिमस्यनमाहाजाजनं किगः स्वष्टि
 याविष्कायनालशुलडा ॥ हेरिमस्यनमाहाजा ॥ ५
 शानाशुवाकसुजाः लयालं ॥ ॥ ४५ ४

धसकुसुनामलोदयोनाकालकासापलमाहासाः

Thurs....	3	10	17	24	...	1	8	15	22	29	5	12	19	26	...	3	10	17	24	31
Fri. ...	4	11	18	25	...	2	9	16	23	30	6	13	20	27	...	4	11	18	25	...
Satur....	5	12	19	26	...	3	10	17	24	31	7	14	21	28	...	5	12	19	26	...

Class Routine.

Days.	1st Hour.	2nd Hour.	3rd Hour.	4th Hour	5th Hour.	6th Hour.
Monday ...						
Tuesday ...						
Wed. ..						
Thursday						
Friday ...						
Saturday ...						

五五五

972

五

Te

五

SWADESHI NOTE PAPER, ENVELOPE MERCHANTS AND
GENERAL ORDER SUPPLIERS.
1, Colootola Street, Calcutta.

AMARJIT SINGH.

श्रद्धावादादमासकृत्पुनः कृत्वा पञ्चमामाहापुन्यतिथौ ॥ १००५८

मर्कटि खानकृतः चयसमानयोः ॥ १४ मवालमल

Section ॥ मधुन रासाग्रायवन्ध

सहि ॥ दानंयमि ॥ इत्यनाममालविहाय ॥

१७ क न य १८ अ